हिन्दी

(संचयन) (पाठ 3) (राही मासूम रज़ा – टोपी शुक्ला)
(कक्षा 10)

बोध प्रश्न

प्रश्न 1:
इफ्फन टोपी शुक्ला की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है ?

उत्तर 1:
इफ्फन और टोपी दोनों ही गहरे दोस्त थे । दानों के मजहब अलग होने पर भी वे एक दूसरे के पूरक थे इफ्फन की दादी बहुत ही प्यार से टोपी से बात करती थीं और टोपी की दादी उसे हर समय डॉटती रहती थीं । पूरी कहानी टोपी शुक्ला के चारों ओर घूमती है इसलिए टोपी इस कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है ।

प्रश्न 2:
इफ्फन की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं ?

उत्तर 2:
इफ्फन की दादी एक जमींदार की बेटी थीं वहॉ दूध , दही, घी प्रचुर मा़त्रा में उपलब्ध था , जबकि ससुराल में वे इन सबके लिए तरस गईं थीं । यहॉ वे केवल मौलविन बनकर रह गईं थीं इसलिए वे अपने पीहर जाना चाहती थीं ।

प्रश्न 3:
इफ्फन की दादी अपने बेटे की शादी में गाने–बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं ?

उत्तर 3:
इफ्फन की दादी का विवाह एक मौलवी के साथ हुआ था उनके यहॉ गाना –बजाना मना था इसलिए वे अपने बेटे की शादी में गाने–बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाईं बेचारी मन मसोस कर रह गईं ।

प्रश्न 4:
'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तर 4:
जब घर में सब खाने की मेज पर बैठे थे मो टोपी ने बैंगन का भुर्ता मॉगने के लिए अपनी मॉ को अम्मी कह दिया जिसे सुनते ही पूरे माहौल में सन्नाटा छा गया संस्कारों की दीवारें हिल गईं और टोपी की बहुत डॉट पड़ी ।

प्रश्न 5:
दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है ?

उत्तर 5:
दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का यूँ तो कोई महत्त्व नहीं परंतु टोपी के आत्म–इतिहास में इस तारीख का बहुत महत्त्व है, क्योंकि इसी तारीख को इफ्फन के पिता बदली पर मुरादाबाद चले गए। टोपी ने दस अक्तूबर सन् पैंतालीस को कसम खाई कि अब वह किसी ऐसे लडके से दोस्ती नहीं करेगा जिसका बाप ऐसी नौकरी करता हो जिसमें बदली होती रहती है।

प्रश्न 6:
टोपी ने इफ़्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही ?

उत्तर 6:
टोपी ने इफ़्फन से दादी से दादी बदलने की बात इसलिए कही क्योंकि वह उसे बहुत प्यार करती थीं उसके साथ अपनी भाषा में बातें करती थीं टोपी को भी उनसे बात करने में बहुत मजा आता था । टोपी की दादी उसे हर समय डॉटती रहती थीं ।

प्रश्न 7:
पूरे घर में इफ़्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था ?

उत्तर 7:
इफ़्फन की दादी उसे बहुत प्यार करती थीं घर में जब सब उसे डॉटते तो दादी ही उसका पक्ष लेती थीं उसे रात में अनार परी , अमीर हमला , बहराम डाकू और हातिमताई आदि की कहानी सुनाती थीं इसीलिए वह उनसे बेहद प्यार करता था ।

प्रश्न 8:
इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली–सा क्यों लगा ?

उत्तर 8:
इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी कों उसका घर इसलिए खाली–खाली लगने लगा क्योंकि अब कोई भी उससे बात करने और उसकी बात समझने वाला नहीं रहा था ।

प्रश्न 9:
टोपी और इफ्फन की दादी अलग–अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।

उत्तर 9:
टोपी और इफ्फन की दादी अलग–अलग मजहब और जाति के थे पर टोपी को इफ्फन की दादी की बातें बहुत अच्छी लगती थीं वे उसे खाने को देतीं मगर वह मना कर देता था लेकिन उसे उनकी बातें बहुत अच्छी लगती थीं । इफ्फन की दादी टोपी से उसकी दादी का हाल–चाल पूछतीं इस प्रकार दोनों अलग–अलग होते हुए भी एक अटूट रिश्ते में बँधी थीं ।

प्रश्न 10:
टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए ।
(क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फेल होने के क्या कारण थे ?

उत्तर क:
टोपी बहुत ही ज़हीन (बुद्धिमान) था ,लेकिन जब भी पढ़ने बैठता तो कभी उसकी माँ या कभी उसके पिता बाजार से कुछ न कुछ मँगाने के लिए भेज देते थे । दिन भर घर का काम करने के कारण वह फेल हो गया। दूसरे साल उसे बुखार आ गया इस कारण वह परीक्षा नहीं दे सका इसलिए फेल हो गया ।

(ख) एक ही कक्षा में दो–दो बार बैठने से टोपी को किन भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा ?

उत्तर ख:
एक ही कक्षा में दो–दो बार बैठने से टोपी को अपने से जूनियर के साथ बैठना पड़ा जो उसके मन को ठेस पहुँचाने के लि काफी था । दोबारा फेल हो जाने पर उसके जूनियर भी उससे आगे निकल गए अब तो टीचर भी उसका मजाक उड़ने लगे थे जिससे उसे बहुत कष्ट होता था ।

(ग) टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनजर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए ?

उत्तर ग:
बार–बार फेल होने से बच्चे का मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है , ऐसे में बच्चों की अन्य खूबियों को परखते हुए भी निर्णय लेने का प्रावधान होना चाहिए ।

प्रश्न 11:
इफ्फन की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया?

उत्तर 11:
इफ्फन की दादी के मायके वाले पाकिस्तान में रहने लगे ऐसे में उनके घर की देखभाल करने वाला कोई न रहा इसलिए उनका घर सरकारी कब्जे में चला गया ।